# हिन्दी सामान्य

**प्रस्तावना :–**

हिन्दी सामान्य का अध्ययन उन छात्रों को करना होता है जो इसे द्वितीय भाषा के रूप में स्वीकार करते हैं। हमारा देश बहुभाषी (हिन्दी, अँग्रेजी, मराठी, उर्दू, गुजराती आदि भाषा) है। अतः यहाँ राष्ट्र भाषा हिन्दी के अतिरिक्त अपनी मातृभाषा का अध्ययन करने वालों को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में पिरोने के लिए द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी का अध्ययन कराया जाता है।

इस स्तर के छात्रों को हिन्दी भाषा की विशेषताओं से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक होगा। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए पाठ्य पुस्तक में सरल तथा रोचक एवं शिक्षाप्रद पाठों को समाहित किया जाए। इससे उन्हें शैलीगत विशेषताओं का परिचय तो मिलेगा ही साथ ही वे ज्ञानवर्धक उत्तम एवं रोचक साहित्य का रसास्वादन करने में भी समर्थ हो सकेंगे।

**शिक्षण के उद्देश्य –**

**(1) भाषा की ग्रहणशीलता –**

– शुद्ध, सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली भाषा में व्यक्त विचारों को सुनना और पढ़ना।
– विभिन्न भाषा शैलियों से परिचय।
– मानक भाषा से परिचय।
– प्रसंगानुकूल भाषा प्रयोग करने की क्षमता का विकास।
– साहित्य से भाषानुभूति और रसानुभूति का विस्तार।
– भाषिक पहचान, तुलना, विश्लेषण और संश्लेषण।

**(2) अभिव्यक्ति –**

– शुद्ध, सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली भाषा में सुनकर पढ़कर अपने विचार अभिव्यक्त करना।
– साहित्य की विविध विधाओं के स्वरूप का ज्ञान तथा उसका यथा स्थान समुचित प्रयोग।
– साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता का विकास।

**(3) अभिवृत्ति में परिवर्तन –**

– साहित्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से उनमें राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना का विकास।
– साहित्य से सद्‌वृत्तियों – आस्था, प्रेम, देशप्रेम, मानव–प्रेम, सहृदयता, संवेदना का विकास।
– नाटक/एकांकी के माध्यम से जीवन की विभिन्न स्थितियों से परिचय कराना तथा तद्‌नुसार प्रेरणा देना।
– आँचलिक साहित्य और साहित्यकारों का परिचय एवं उसका महत्व समझना।

**(4) सृजनशीलता को प्रोत्साहन –**

– अपने भावों, विचारों की मौलिक अभिवृत्ति की क्षमता का विकास।
– भावानुकूल भाषा प्रयोग करने की क्षमता।
– कल्पना के माध्यम से विचारों को नया रूप देने की क्षमता का विकास।
– साहित्य के माध्यम से कविता, कहानी, संवाद, गीत आदि के मौलिक सृजन की प्रेरणा।

**शिक्षण युक्तियाँ:–**

1. युक्तियों के प्रयोग से शिक्षण प्रभावी और रोचक बनता हैं।
2. शिक्षण युक्तियाँ भाषा को समझने, अभिव्यक्त करने में सहायक होती हैं।
3. शिक्षण युक्तियों के माध्यम से कक्षा का वातावरण आत्मीय और सौहार्द पूर्ण बनता है।
4. युक्तियों का प्रयोग विचारों को अच्छी तरह से अभिव्यक्त करने में सहायता करता है।

**पाठ्यसामग्री:–**

कक्षा 9वीं एवं 10वीं में छात्रों को हिन्दी भाषा और हिन्दी साहित्य के विकास की विभिन्न धाराओं का परिचय देते हुए, उन्हें सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक स्थितियों का ज्ञान देना है। साथ

ही वर्तमान समय के वैज्ञानिक, तकनीकी और संचार माध्यमों के विभिन्न रूपों का परिचय कराना है। इस पुस्तक में प्रस्तावित लगभग 20 पाठ रहेंगे। इसमें भी आवश्यकता एवं स्तर के अनुकूल परिवर्तन किया जा सकेगा।

## हिन्दी सामान्य
## कक्षा 10

**समय – 3 घण्टे** **पूर्णांक – 100**

| क्रम | विषय सामग्री | अंक | कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| 1. | **पद्य खण्ड –**<br>– एक पद्यांश की व्याख्या<br>– सौन्दर्य बाध पर आधारित प्रश्न<br>– विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न | 25 | 40 |
| 2. | **गद्य खण्ड –**<br>– अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न<br>– विषय वस्तु पर आधारित बोध प्रश्न | 25 | 40 |
| 3. | **गद्य की विधाएँ –**<br>– प्रमुख विधाओं का सामान्य परिचय | 05 | 10 |
| 4. | **व्याकरण –**<br>संधि – भेद<br>समास – भेद<br>तत्सम, तद्भव, देशज एवं आगत शब्द<br>पर्यायवाची शब्द<br>वाक्य के प्रकार – रचना, अर्थ के आधार पर<br>वाक्य शुद्ध करना<br>विराम चिह्न<br>मुहावरे / लोकोक्तियाँ | 20 | 30 |
| 5. | **अपठित बोध –**<br>गद्यांश, पद्यांश– शीर्षक सारांश एवं प्रश्न | 10 | 15 |
| 6. | **पत्र लेखन –** | 05 | 10 |
| 7. | **निबन्ध लेखन –** | 10 | 15 |
| | **पुनरावृति** | | 20 |
| | **योग** | **100** | **180** |

**पाठ्य पुस्तक –** वासंती (गद्य – पद्य संकलन)

**पद्य खण्ड –**

| | | |
|---|---|---|
| – पद्य पाठों पर आधारित एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या (कविता का नाम, कवि का नाम, अर्थ) | 05 | |
| – काव्य सौन्दर्य पर आधारित प्रश्न | 10 | **25** |
| – विषय वस्तु पर आधारित बोध प्रश्न | 10 | |

**गद्य खण्ड–**

| | | |
|---|---|---|
| – गद्य पाठों पर आधारित अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न | 10 | |
| – विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न | 15 | **25** |

**गद्य की विधाएँ :**

| | | |
|---|---|---|
| प्रमुख विधाओं के सामान्य परिचय पर प्रश्न | 05 | **05** |

**व्याकरण –**

**भाषा बोध–**

| | | |
|---|---|---|
| संधि – भेद, परिभाषा, उदाहरण आदि पर प्रश्न | 02 | **20** |
| समास – भेद, परिभाषा, उदाहरण आदि पर पर प्रश्न | 02 | |
| तत्सम, तद्भव, देशज तथा आगत शब्द पर प्रश्न | 02 | |
| पर्यायवाची शब्द पर प्रश्न | 02 | |
| विलोम शब्द पर प्रश्न | 02 | |
| वाक्यांशों के लिए एक शब्द पर प्रश्न | 02 | |
| वाक्य के प्रकार (रचना और अर्थ के आधार पर) प्रश्न | 02 | |
| विराम चिन्ह पर प्रश्न | 02 | |
| वाक्य शुद्ध करना पर प्रश्न | 02 | |
| मुहावरे / लोकोक्तियाँ पर प्रश्न | 02 | |

**अपठित बोध –**

| | | |
|---|---|---|
| गद्यांश – शीर्षक, सारांश / प्रश्न | 05 | **10** |
| पद्यांश – शीर्षक, सारांश / प्रश्न | 05 | |

**पत्र लेखन –**

| | | |
|---|---|---|
| अनौपचारिक पत्र, औपचारिक पत्र, निमंत्रण पत्र, पारिवारिक पत्र, | 05 | **05** |

**निबन्ध लेखन–**

| | | |
|---|---|---|
| वर्णनात्मक विचारात्मक एवं समसामयिक विषयों पर निबन्ध लेखन | 10 | **10** |

**प्रायोजना कार्य–**

1) क्षेत्रीय बोली–पहेलियाँ, चुटकुले, लोकगीत, लोक कथाओं का परिचय तथा खड़ी बोली में उनका अनुवाद।
2) दूरदर्शन / आकाशवाणी के कार्यक्रम पर प्रतिक्रियाएं / विश्लेषण।
3) हिन्दी साहित्य का स्वतंत्र पठन / टिप्पणी एवं प्रेरणाएँ।
4) हस्त लिखित पत्रिका तैयार करना।
5) म.प्र. से प्रकाशित होने वाली हिन्दी भाषा की पत्र पत्रिकाओं की जानकारी।

**टिप्पणी–**

प्रायोजना कार्य से सम्बन्धित विषय वस्तु पर(अंक आवंटित न होने के कारण) परीक्षा में प्रश्न पूछे जाना अपेक्षित नहीं है।

**निर्धारित पाठयपुस्तक – वासंती (गद्य–पद्य संकलन)**

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा संकलित एवं निर्मित तथा मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित।